पुरानी दोस्ती ने चुदक्कड़ बनाया

“दोस्तो, मैं दीप आप लोगों के लिए एक सच्ची कहानी लेकर आया हूँ। यह कहानी तब की है, जब मैं सिर्फ़ 21 साल का था। मैं दिल्ली में स्नातक की पढ़ाई कर रहा था और साथ में जॉब भी कर रहा था। हमारे कॉलोनी में मेरे स्कूल की दोस्त रहती थी जिसका नाम नेहा था। […] ...”

Story By: (deep9899)
Posted: Wednesday, February 19th, 2014
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: पुरानी दोस्ती ने चुदक्कड़ बनाया

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पुरानी दोस्ती ने चुदक्कड़ बनाया

दोस्तो, मैं दीप आप लोगों के लिए एक सच्ची कहानी लेकर आया हूँ। यह कहानी तब की है, जब मैं सिर्फ़ 21 साल का था। मैं दिल्ली में स्नातक की पढ़ाई कर रहा था और साथ में जॉब भी कर रहा था।

हमारे कॉलोनी में मेरे स्कूल की दोस्त रहती थी जिसका नाम नेहा था। स्कूल में वो इतनी खास नहीं लगती थी, मगर बाद में वो गजब की 'माल' बन गई थी।

अचानक एक दिन वो मुझे रास्ते में मिल गई, मैं नेहा से काफ़ी समय बाद मिल रहा था।
वो बोली- हाय दीप, कैसे हो ?
मैं बोला- बस बढ़िया हूँ, तुम कैसी हो ?
वो बोली- बढ़िया हूँ मैं भी !

थोड़ी देर बात करने के बाद मैंने उसे अपना नम्बर दिया और घर चला गया।

एक हफ़्ते बाद उसका फ़ोन आया कि उसका जन्मदिन है और वो दोस्तों के साथ मनाना चाहती है इसलिए मैं भी उस दिन उसके साथ बिताऊँ।
मैंने 'हाँ' कह दिया।

मैं तय समय पर सही जगह पर पहुँच गया। नेहा से मिला उसे शुभकामनाएँ और उपहार दिया। उसे मेरा दिया हुआ गिफ़्ट बहुत पसन्द आया, फ़िर वो मुझे अपने साथ ले गई।

वो मुझे गौतम नगर के एक अपार्टमैंट में ले गई, जहाँ उसके और फ्रेंड्स भी थे। उस अपार्टमैंट में पहले से ही काफ़ी लोग थे। मैं सबसे मिला और उनसे बातें करने लगा।

मुझे वहाँ का माहौल कुछ अलग सा लगा। सभी लोग जोड़ी बनाकर बैठे थे और मुझे अजीब निगाहों से घूर रहे थे। मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि वहाँ क्या हो रहा है।

तभी नेहा ने मुझे बुलाया और एक दूसरे कमरे मे ले गई, वहाँ कोई नहीं था, नेहा ने मुझे थोड़ी देर रुकने को कहा और चली गई।

तभी मैंने कुछ आवाजें सुनी, जो कि बगल के कमरे से आ रही थीं। मैं सोच में पड़ गया कि क्या हो रहा है, अन्दर आवाजें बदलती जा रही थीं और मैं अब सब्र खो चुका था। मैं दरवाजा खोल कर देखने लगा तो चौंक गया।

वहाँ पर करीब तीन जोड़े थे जो चुदाई कर रहे थे। वो भी एक-दूसरे के सामने बिल्कुल नंगे। यह सब देख कर मैं उत्तेजित हो गया और मेरा लण्ड लोहे जैसा सख्त हो कर खड़ा हो गया।

तभी अचानक नेहा आ गई, मुझसे कहने लगी- दीप क्या देख रहे हो ?
मैंने नेहा से पूछा- यहाँ यह सब क्या हो रहा है ?

तो उसने मुझे बताया कि यह अपार्टमैंट उसके एक दोस्त का है जिसमें वे सभी दोस्त मस्ती करते हैं। उसने यह भी बताया कि आज उसका जन्मदिन नहीं है, दरसल इस अपार्टमैंट में आने की एक शर्त यह है कि केवल जोड़े ही आ सकते हैं, इसलिए उसने मुझसे झूठ कहा।

उसने यह भी बताया कि यहाँ पर हर कोई चुदाई का दीवाना है और ना केवल अपने जोड़ीदार के साथ बल्कि किसी के साथ भी चुदाई कर सकता है और इस तरह सब एक दूसरे की प्यास बुझाते हैं।

यह सुनकर मेरे होश उड़ गए, स्कूल की सीधी-साधी लड़की इतनी चालाक हो गई है। फिर वो मुझे होंठों पर चूमने लगी। मुझे भी आनन्द आने लगा तो मैं भी उसका साथ देने लगा।

फिर वो मुझे उसी कमरे में ले गई, जहाँ पहले से जोड़े चुदाई कर रहे थे और फ़िर उसने मेरे सारे कपड़े उतार दिए और मेरे लन्ड को चूसने लगी। मुझे बहुत आनन्द आ रहा था और इसी आनन्द में मैंने अपना रस छोड़ दिया, वो मेरा रस पी गई।

फिर उसने अपने सारे कपड़े उतार दिए। उसके नंगे बदन को देखकर मैं पगला सा गया। फिर उसने मुझे चूत चाटने को इशारा किया जो कि मैं नहीं चाहता था मगर फ़िर भी चाटने लगा, मुझे आनन्द आने लगा और नेहा भी मस्त हो गई।

थोड़ी देर बाद नेहा ने भी अपना रस छोड़ दिया जो मैं गटक गया। थोड़ी देर तक मैं नेहा के चूचे चूसता रहा और फ़िर उसके रसीले होंठों को चूसने लगा। बहुत मजा आ रहा था। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

नेहा सिसकारने लगी- दीप मुझे चोदो, प्लीज़ मुझे चोद दो !!
मैंने उससे पूछा- कन्डोम मिलेगा ?

तो साथ के लड़के ने एक कन्डोम दिया। मैंने कन्डोम लगाया और लन्ड को धीरे-धीरे नेहा की चूत में घुसाने लगा। नेहा पुरानी खिलाड़िन थी इस चोदमचोद खेल की, वो मेरी मदद करने लगी। वो उछल-उछय कर कोशिश में लगी थी और मेरा लण्ड उसकी चूत में पूरा घुस गया तो मैं भी उत्तेजित हो कर तेज़ झटके मारने लगा।

अब मैं आनन्द की चरम सीमा पर पहुँच गया और मानो स्वर्ग में पहुँच गया। चूत मारते समय उसके होंठों और चूचों को भी खूब चूसा और तेज़-तेज़ झटकों के साथ झड़ गया। थोड़ी देर तक हम एक दूसरे को चूमते रहे, फिर अलग हो गए।

मैं कपड़े पहनने लगा तभी एक और लड़की मेरे पास आई और फ़िर से मेरे सारे कपड़े उतार दिए और मेरे लन्ड की मुठ मारने लगी और मेरा लन्ड फ़िर खड़ा हो गया। मैं उस लड़की

की चुदाई करने लगा और नेहा भी किसी और के साथ लग गई। उस रात मैंने शायद तीन लड़कियों को चोदा।

उसके बाद यह सिलसिला करीब एक साल तक चलता रहा और मैंने कई लड़कियों को चोदा।

आपको मेरी कहानी कैसी लगी मुझे बताइए।
deep9899@gmail.com

Other stories you may be interested in

पाठिका संग मिलन-3

ट्रेन का कन्फर्म टिकट नहीं मिला। मैंने फ्लाइट बुक कर ली। विमान पूना में हवा में उतर रहा था। इसी शहर में … किसी लड़की से मिलने जाओ तो वह शहर भी कुछ स्पेशल-सा लगता है। रेलगाड़ी से धीरे धीरे […]
Full Story >>>

एक और अहिल्या-7

“मेरी मंज़िल तो मेरे पास है लेकिन मेरी किस्मत में नहीं.” “क्या मतलब ?” मैं चौंका. मैं वसुन्धरा की बात का मर्म समझ तो गया था लेकिन थोड़ा कंफ्यूज़ था. कुछ था जो मेरी जानकारी से बाहर था. डगशाई पहुँच कर […]
Full Story >>>

खामोशी : द साईलेन्ट लव-8

अब तक कहानी में आपने पढ़ा कि दोबारा रायपुर पहुंचने के बाद जब मैंने कॉन्डोम लगाकर मोनी की चूत मारी तो उस रात वह भी मेरे साथ स्खलित हो गई थी. अगले दिन मैं उम्मीद कर रहा था कि वह […]
Full Story >>>

तीन चूत एक लंड : फोरसम का मजा

आजकल मैं कहानियाँ कम लिख रहा हूँ। मेरी आखरी कहानी करीब डेढ़ साल पहले लिखी गयी हैं। कहानी पब्लिश होने में भी वक्त लगता हैं जिसके चलते मेल अकाऊँट ऑपरेट करना कम हो जाता हैं। बहुत सी बार पाठकों के […]
Full Story >>>

मेरा सच्चा प्यार भाभी के साथ

मैं कोटा का रहने वाला हूँ. कहानी 4 साल पहले की है. हमारे पड़ोस में एक भाभी रहा करती थीं, वे मेरे समाज की नहीं थीं. उसका पति कोटा में नौकरी करता था. उसकी सास को में मौसी कहके बुलाता […]
Full Story >>>